DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part —— I
Paper —— II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

जार्ज प्रथम एंव द्वितीय का सांवैधानिक महत्व : — IV

(ii) मंत्रिमंडल से दोनों राजाओं की अनुपस्थिति : — जार्ज प्रथम एंव जार्ज द्वितीय दोनों राजा मंत्रिमंडल की बैठक में बहुत कम उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति दर्शाते थे। जिनका परिणाम इन दोनों राजाओं के लिए बहुत बुरा निकला। देश के शासन संबंधी सभी विषयों पर विचार-विमर्श तो मंत्रिमंडल में ही हुआ करता था। शासन कार्य के सभी महत्वपूर्ण निर्णय वहाँ हो जाया करते थे। परन्तु इन दोनों राजाओं को सभी निर्णयों से सर्वथा अनभिज्ञ रह जाना पड़ता था। जिससे देश की वास्तविक स्थिति का ज्ञान उन्हें नहीं हो पाता था। दूसरी बात यह थी कि उसके मंत्रियों में भी किसी को जर्मन भाषा का ज्ञान नहीं था। जिसके परिणामस्वरूप वालपोल ही मंत्रिमंडल का सभापतित्व करने लगा, क्योंकि प्रथम जार्ज मंत्रिमंडल की सभा में जाकर सभापतित्व नहीं करता था। वालपोल एक कुशल मंत्री था। उसे अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान प्राप्त था। अतः वह पार्लियामेंट को नेता चुन लिया गया। मंत्रिमंडल का सभापतित्व करने का फलस्वरूप सारे देश के शासन विधान का नियंत्रण उसी के हाथ में आ गया।